ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

AAJ KA SWAMAAN

मैं स्वमान में स्थित रह हद की इच्छाओं को समाप्त करने वाली सर्व प्राप्ति स्वरूप आत्मा हूँ

सदा विदेही वा अशरीरी स्थिति में रहे।

चेक करें - मुझ ब्राह्मण आत्मा की स्थिति

- ☑ देह के अन्दर जो आकर्षण रूप आत्मा है उसे देखने का अभ्यास करते हैं?
- ☑ अभी-अभी शरीर रूपी वस्त्र को धारण किया अभी-अभी उतारा यह अभ्यास करते हैं?
- ☑ देह में रहते विदेही कितना समय रहते हैं?

Om Shanti
शिव परमपिता
परमात्मा के स्नेह में
असम्भव को सम्भव कर
सफलता की अनुभूति
करने वाले ही
सफलता के सितारे हैं
ज्योतिर्बिन्दु
परमपिता शिव परमात्मा
Join Brahma Kumaris
पिताश्री ब्रह्मा बाबा

अनुभव की अथार्टी, अर्थात्...

बापदादा- 02-02-2012

प्रतिदिन समय नाज़ुक आना ही है। तो ऐसे समय पर आपका चेहरा आत्माओं को चियरफुल बना दे। बापदादा ने आज अमृतवेले चक्र लगाया, तो क्या देखा? बैठते सभी अपने रूचि से भी हैं लेकिन सबसे बड़ी अथॉरिटी है अनुभव की। तो देखा बैठते हैं लेकिन अनुभव की अथॉरिटी, स्मृति में बैठते हैं लेकिन स्मृति स्वरूप अनुभव हो। अनुभव की अथॉरिटी का आनंद वह थोड़ा समय होता है। सोचते हैं मैं बापदादा के तख्तनशीन हूँ लेकिन स्वरूप के स्मृति स्वरूप अनुभवी मूर्त, अनुभव में खो जाये उसका अभी और भी आगे बढ़ाना होगा क्योंकि अनुभव की अथॉरिटी सबसे बड़े ते बड़ी है। स्मृति स्वरूप रहना इसको कहा जाता है अनुभव। तो अनुभव में खो जाना जो स्वरूप की स्मृति रखते हैं उस स्वरूप की अनुभूति में रहना इसकी और आवश्यकता है क्योंकि अनुभव कभी भी भूलता नहीं है। किसी को भी आप किसी के अनुभव द्वारा सुनाने की कोशिश करते हो क्योंकि अनुभव का प्रभाव पड़ता है। तो स्वयं को जो स्वरूप स्मृति में रखते हो उसके स्वरूप की अनुभूति में खो जाये, अनुभव अपने पुरुषार्थ में भी बहुत मदद करता है। तो बापदादा ने देखा अनुभव की अथॉरिटी में नम्बरवार हैं। तो अभी इस अनुभव की अथॉरिटी के अभ्यास के ऊपर और अटेन्शन दो। अनुभव स्वरूप की स्थिति सदा समाई हुई रहती है, उसकी शक्ल, चलन सेवा करती है।

ओम् शान्ति

अव्यक्त शिक्षाएँ

एक-एक गुण की अनुभूति कहाँ तक है, यह सदा अपने आपको देखो। नालेजफुल हैं या अनुभवी मूर्त हैं? यह चेक करो, क्योंकि संगम पर ही हर गुण का अनुभव कर सकते हो। किसी भी गुण का अनुभव कम हो तो उसके ऊपर अटेन्शन देकर अनुभवी ज़रूर बनो। जितना अनुभवी मूर्त होंगे उतना फाउन्डेशन पक्का होगा। माया हिला नहीं सकेगी।

अ.बापदादा-04.01.82

परमात्मा को सदैव साथी बनाओ तो माया दूर से ही मूर्छित हो जायेगी।

Avyakt Murli - 23-10-1979

BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu

/AvyaktMurliEssence

मेरे बाबा क्या लिखूं आपके बारे में ,
मैं तो खुद आपके हाथों की
लिखावट हूँ!आप सब कुछ हैं मेरे
मैं आपकी ही बनावट हूँ,,
वो दिन नहीं, वो रात नहीं, वो पल
नहीं ,जिसमें आपकी बात नहीं,
आपसे कोई जुदा कर सकें, इतनी
तो मौत की भी औकात नहीं,,

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org